ਪੰਜਾਬ ਸਟੇਟ ਫੈਕਲਟੀ ਆਫ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਤੇ ਯੂਨਾਨੀ ਸਿਸਟਮ ਆਫ ਮੈਡੀਸਨ

ਸਲੇਬੱਸ

ਡਿਪਲੋਮਾ ਇਨ ਫਾਰਮੇਸੀ ਆਯੁਰਵੈਦਾ (ਉਪਵੈਦ)

ਸਾਲ – ਪਹਿਲਾ ਅਤੇ ਦੂਜਾ

ਸੈਸ਼ਨ –2009-10 ਤੋਂ ਲਾਗੂ

Rs. 50/- FIFTY RUPEES

ਸਰਕਾਰੀ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਕਾਲਜ

ਪਟਿਆਲਾ-147001

विषय-शरीर रचना एवं क्रिया
(प्रथम वर्ष)

Theory पूर्णांक 100 (90+10)

Part (A) Practical पूर्णांक 50 (45+05)

1. शारीरोपक्रम–शरीर की व्याख्या, शरीर ज्ञान प्रयोजन।
2. कोष्ठ और आशय शब्दों की व्याख्या, कोष्ठांग के नाम और उनकी संख्या। उरः प्रदेश (Thoracic cavity) और उदर प्रदेश का संक्षिप्त परिचय। मुख से गुदा पर्यन्त अवयवों का संक्षिप्त परिचय।
3. कला शारीर–कला की परिभाषा, सप्त कलाओं का संक्षिप्त वर्णन–हृदय, फुफ्फुस कला का सामान्य परिचय।
4. त्वक् शारीर–त्वचा की परिभाषा, स्वरूप और भेदों का वर्णन।
5. गर्भ शारीर–गर्भ की परिभाषा, शुक्र और आर्तव का वर्णन, गर्भाधान, लिंग भेद।
6. अस्थि शारीर–अस्थियों की संख्या, भेद (चरक, सुश्रुत और आधुनिक मतानुसार)
7. शरीर की सन्धियों तथा विभिन्न प्रकारों का सामान्य ज्ञान।
8. सिरा धमनी स्रोतस शरीर–सिरा, धमनी और स्रोतस का सामान्य परिचय।
9. पेशी शब्द की व्याख्या तथा विभिन्न पेशी प्रकारों का सामान्य ज्ञान।
10. मर्म शब्द की व्याख्या, संख्या, प्रकार तथा मर्म ज्ञान का प्रयोजन।
11. इन्द्रिय शब्द की व्याख्या, ज्ञानेन्द्रियों एवं कर्मेन्द्रियों के नाम और इनका सामान्य परिचय। कर्णेन्द्रिय (ear), अक्षिगोलक (eyeball) जिहवा का विशेष रूप से वर्णन।
12. श्वास प्रश्वास अवयवों, मूत्रवह संस्थान अवयवों, पुरूष स्त्री जनन अवयवों की रचना का सामान्य ज्ञान।

PART - B

1. धातु भेद से पुरूष संख्या और परिचय, दोष धातु, मल–मूलात्मक शरीर का वर्णन। दोष धातु, मलों की पंचभूतात्मक उत्पत्ति।
2. शरीर दोषों का विस्तृत ज्ञान वात, पित, कफ के भेद स्थान और कार्य का सामान्य वर्णन।
3. धातुओं का परिचय धातुओं की क्रमोत्पत्ति। उपधातु तथा उनके पोषक धातु। ओज परिचय। सप्त धातुओं के मलों का ज्ञान।

4. शरीर का पोषण, पंचमहाभूतों के अनुसार विविध आहार द्रव्य ! ाहास्रोत की पाक क्रिया।
5. रक्त धातु की उत्पत्ति तथा स्थान, रक्त धातु की वृद्धि और क्षय के लक्षण।
6. श्वास प्रश्वास अवयवों, मूत्रवह संस्थान अवयवों, पुरूष स्त्री जनन अवयवों का सामान्य कार्य।

क्रियात्मक

क्रियात्मक पुस्तिका निर्माण (Practical Notebook Preparation)

1. माडलों एवं चार्टों आदि की सहायता से शरीर की अस्थियों एवं अवयवों की पहचान एवं रचना का सामान्य परिचय।
2. क्रिया शरीर प्रयोगशाला में प्रयुक्त उपकरणों का सामान्य परिचय तथा निम्न प्रयोगों का सामान्य ज्ञान।

i) Study of Microscope
ii) Hb estimation by Shali's Method
iii) Preparation & Staining Blood Smear
iv) Packed Cell Volume
v) ESR by Westergren's Method
vi) pH and specific gravity of urine
vii) To check Sugar in Unine
viii) To check Albumin in Urine
ix) To Check the Bile salts in Urine

उपवैद्य/कोर्स हेतु विषय द्रव्यगुण (प्रथम वर्ष)

(इस विषय में 100 अंक एवं एक प्रश्न पत्र होगा)

क्रियात्मक एवं मौखिक परीक्षा 50 अंको की होगा (45+05)

प्रश्न पत्र अंक 100

भाग (क)

1. द्रव्यगुण शास्त्र का परिचय, द्रव्य के रस, गुण, वीर्य, विपाक, प्रभाव तथा कर्मों का सामान्य परिचय।
2. द्रव्यों का नामांकरण तथा पर्याय का आधार।
3. द्रव्यों में संयोग और विरोध, औषधियों के योग द्रव्यों की मात्रा सम्बन्धी ज्ञान।

भाग (ख)

1. निम्नलिखित द्रव्यों के गुण, कुल परिचय, वाह्य एवं आमयिक प्रयोग विशिष्ट मात्रा, कल्पनाएं एवं औषधियों के योग।

(क) अधोलिखित द्रव्यों का सामान्य विवेचन

1.	वत्सनाभ	15. विभीतक	29. लज्जालु
2.	अतिविषा	16. आमलकी	30. शिरीष
3.	गुडूची	17. अर्क	31. जाती
4.	दारूहरिद्रा	18. अशोक	32. कटुकी
5.	अहिफेन	19. कुपीलु	33. आकारकरभ
6.	पाठा	20. ब्राहमी	34. वासा
7.	वरूण	21. शंखपुष्पी	35. निर्गुण्डी
8.	नागकेशर	22. कण्टकारी	36. अग्निमंथ
9.	बला	23. अश्वगंधा	37. हरीतकी
10.	धतूर	24. पुनर्नबा	38. खदिर
11.	गोक्षुर	25. अपामार्ग	39. आरग्वध
12.	चांगेरी	26. सत्यानाशी	40, राजिका
13.	बाकुची	27. दाड़िम	41. गुन्जा
14.	कान्चनार	28. मण्डूकपर्णी	42. हिंगु
			43. तुलसी

(ख) निम्नलिखित द्रव्यों के रसगुण कर्मों का सामान्य परिचय।

1. विल्व	2. ऐरण्ड	3. गुग्गुल	4. अर्जुन
5. ज्योतिषमती	6. सर्पगन्धा	7. कर्कटश्रृंगी	8. भंगा
9. भल्लातक	10. जीवती	11. शिग्रु	12. दालचीनी
13. पलाश	14. पिप्पली	15. अजमोदा	16. भृंगराज
17. यवानी	18. पुष्करमूल	19. रसोन	20. जीरक द्वय
21. यष्टीमधु	22. घृतकुमारी	23. मन्जिष्ठा	24. यवासा
25. शतावर	26. मदनफल	27. कपिकच्छु	28. वचा
29. गन्धप्र	30. लोध्र	31. जटामांसी	32. विडंग
33. आर्द्रक	34. एला	35. हरिद्रा	

2. निम्नलिखित जान्तव का परिचय एवं गुण, कर्म और प्रयोग का ज्ञान

1. कस्तूरी	2. मृगश्रृंग	3. शंख	4. मुक्ता
5. शुक्ति	6. वराटिका	7. प्रवाल	

3. निम्नलिखित वर्गोक्ति द्रव्यों का वर्गीकरण तथा गुण, कर्म का ज्ञान

1. जलवर्ग	2. मधुवर्ग	3. मूत्रवर्ग	4. शूकधान्यवर्ग

क्रियात्मक परीक्षा **अंक 50**

1. निम्नांकित औषधियों का विशिष्ट द्रव्य परिचयात्मक ज्ञान आवश्यक है।

1. काण्ड में – गुडूची मंजिष्ठा
2. पत्र में – मार्कण्डिका, घृतकुमारी
3. पुष्प में – लवंग, नागपुष्प
4. फल में – पिप्पली, मदनफल
5. बीज में – कुपीलु, विडंग
6. त्वचा में – अर्जुन, कुटज
7. निर्यास में – हिंगु, गुग्गुल
8. जांगम द्रव्यों में मधु

2. स्थानीय 25 द्रव्यों का संग्रह कर उन्हें विधिवत एवं पत्रक में रखकर द्रव्यावली – एल्बम जैसी सजिल्द पुटक में सुरक्षित रखना चाहिए तथा प्रैक्टीकल परीक्षा में प्रस्तुत करना चाहिए।

क्रियात्मक परीक्षा में अंक का विभाजन **पूर्ण अंक - 50**

1. द्रव्यसंग्रह – 10
2. द्रव्य परिचय – 20
3. मौखिक – 20

संदर्भ ग्रन्थ

1. द्रव्यगुण विज्ञान (भाग 1-4) – आचार्य प्रियव्रत शर्मा
2. भावप्रकाश निघण्टु – डा० कृष्णचन्द्र चुनेकर एवं पाण्डेय
3. वनौषधिदर्शिका – ठाकुर वलवन्त सिंह
4. प्रियनिघण्टु – आचार्य प्रियव्रत शर्मा
5. आदर्श निघण्टु – बापालाल ग वैद्य
6. चरक–सुश्रुत – वाग्भट के उपयोगी अंश एवं गुरूपदेश।

कुल लैक्चर 75 (50 स्वस्थवृत +25 योग)

(थ्योरी) कुल लैक्चर 25 (10 स्वस्थवृत +15 योग)

(प्रैक्टीकल) कुल अंक (थ्योरी) (90+10=100)

प्रैक्टीकल (45+5=50)

प्रश्न पत्र

PART-I

1. स्वस्थवृत का प्रयोजन, स्वस्थ लक्षण।
2. दिनचर्या (प्रभात जागरण, उषः पान, शौच कर्म, प्रातः भ्रमण व्यायाम, स्नान, ईश आराधना, वस्त्र धारण, दैनिक कर्म एवं मनोरजंन)
3. गण्डूष, नस्य, अंजन, धूम्रपान। इनका पूर्ण वर्णन।
4. ऋतुचर्या – षड्त्रादतु वर्णन
5. रात्रि चर्या
6. ब्रहमचर्य
7. धारणीय एवं अधारणीय वेगों का वर्णन।
8. निन्दित एवं अनिन्दित पुरूष।
9. आहार विधि विशेष आयतन।
10. भोजन के आवश्यक अवयव प्रोटीन, कार्बोहाईड्रेट, वसा, खनिज, लवण एवं जीवनीय तत्वों का वर्णन।
11. जल–जल प्राप्ति स्त्रोत, विविध अशुद्धियां एवं शुद्धि प्रकार।

PART - II

1. रोग संवाहक कीटों का वर्णन यथा मच्छर, मक्खी, यूका, पिस्सू।
2. परजीवी (Parasite) का वर्णन यथा गण्डूपद कृमि, सूत्र कृमि अंकुश कृमि।
3. स्वास्थ्य नाशक विभिन्न व्यवसायों का वर्णन जन स्वास्थ्य प्रशासन व्यवस्था का वर्णन।
4. संक्रामक रोग–संक्रामक रोगों को रोकने के उपाय एवं विशुद्धिकरण वर्णन।
5. 1. विषम ज्वर 4. राजयक्ष्मा 7. कनफेड़ (mumps) 10. AIDS
   2. मसूरिका 5. रोमान्तिका 8. आन्त्रिक ज्वर
   3. विसूचिका 6. धनुर्वात 9. अतिसार

   इन रोगों का पूरा वर्णन

6. परिवार कल्याण कार्यक्रम – परिवार नियोजन की विभिन्न विधियों का वर्णन।
7. योग शब्द को विविध व्याख्याएं।
8. आसन – आसनों की उपयोगिता एवं स्वास्थ प्रभाव
9. प्रमुख आसनों का ज्ञान – शीषासर्न, पवनमुक्तासन, वज्रासन, मत्स्यासन, चक्रासन, धनुरासन उत्तानपादासन गोमुखासन मयूरासन, पद्मासन, प्राणायाम, कपालभाती, भ्रमरी, उदगाथ

प्रैक्टीकल – विभिन्न आसनों का ज्ञान योगाभ्यास, प्राणायाम, कपालभाती, नेति कर्म, भस्त्रिका में उपलब्ध माडलों का ज्ञान, जल संस्थान निरीक्षण, परिवार कल्याण केन्द्र निरीक्षण। प्रायोगिक कापी एवं चार्ट निर्माण।

उपवैध कोर्स हेतु विषय - औषध प्रक्रिया पाठयक्रम (प्रथम वर्ष)

D-Pharmacy in Ayurveda Course (First Year)

Lectures (Theory) -100 **Marks (Theory)-100 (90+10)**

1. मान की परिभाषा, मान की उपयोगिता, द्रुवयमन एवं पाय्यमान की परिभाषा। आधुनिक एवं प्राचीन मान का तुलनात्मक प्रचलित सामान्य ज्ञान। शुष्क एवं आर्द्र द्रव्यों का ग्रहण नियम।
2. पंचविध कषाय कल्पना का सामान्य प्रचलित ज्ञान यथा परिभाषा, निर्माणविधि, मात्रा।
3. स्नेह कल्पना निर्माण विधि का ज्ञान। स्नेहसिद्धी के लक्षण एवं सामान्य मात्रा।
4. अवलेह कल्पना निर्माण विधि का ज्ञान। निर्मित अवलेह के लक्षण एवं अवलेह की सामान्य मात्रा।
5. आसव एवं अरिष्ट की परिभाषा एवं निर्माण विधि का ज्ञान। सिद्ध संधान के लक्षण एवं आसवारिष्ट की सामान्य मात्रा।
6. निम्न औषध कल्पों का परिचय, परिभाषा, निर्माण विधि, मात्रा का ज्ञान :–

1. पडंगपानीय
2. लाक्षारस
3. मन्थ
4. अर्क
5. पानक
6. गुड़पाक
7. प्रमथ्या
8. घनसत्व
9. अमृता सत्व
10. चूर्ण
11. वटिका
12. मोदक
13. वर्ति
14. गुग्गुल कल्प
15. लवण कल्प
16. मसीकल्प
17. क्षार
18. क्षीरपाक
19. मण्ड, पेया,यवागू, विलेपी
20. कृशरा
21. यूषरस
22. मलहम
23. उपनाह
24. सिक्थ तैल
25. नेत्र कल्प : द्राव, अञ्जन, आश्च्योतन, विडालक, तर्पण, पुटपाक
26. लेप कल्पना :– लेप के भेद, निर्माण
27. शतधौतघृत, सहस्त्रधौतघृत
28. खण्डपाक

प्रत्यक्ष कर्माभ्यास (Practical Paper) पाठयक्रम

Lectures (Theory) -50 **Marks (Theory)-50 (45+5)**

1. पाठयक्रम में वर्णित औषध कल्पों का प्रत्यक्ष कर्माभ्यास द्वारा निर्माण एवं इनके घटक द्रव्यों का चयन, उनकी मात्रा का ज्ञान तथा गुण एवं उपयोग का ज्ञान।
2. निर्मित योगों का वर्ण गन्ध आदि का पूर्ण ज्ञान, इनकी संरक्षण विधि तथा मात्रा का ज्ञान।
3. योगों में प्रयुक्त द्रव्यों की ग्रहण विधि, उनका स्वरूप ज्ञान तथा आर्द्र और शुष्क द्रव्यों के ग्रहण नियम का ज्ञान।
4. प्रत्यक्ष कर्माभ्यास का पूर्ण विवेचन प्रेक्टिकल नोटबुक में लिखना अवश्यक है।

कुल अंक (थ्योरी) = 90+10=100

प्रैक्टीकल (45+5=50)

अगद तन्त्र (द्वितीय वर्ष)

कुल लैक्चर (थ्योरी) = 75

प्रैक्टीकल 25

1. अगदतन्त्र की परिभाषा, प्रयोजन, उपयोगिता एवं निरूक्ति।
2. विष के भेद – स्थावर, जांगम, एवं उनके अधिष्ठान, विष के वेगों का वर्णन।
3. विष का प्रभाव, निदान एवं विष चिकित्सा के सिद्धांत (आधुनिक एवं प्राचीन मतानुसार)
4. विषदाता, विषकन्या, विषाक्त अन्नपान आदि के लक्षण एवं प्रतिकार
5. विभिन्न विषों का ज्ञान, उनकी घातक मात्रा, घातक काल, विषाक्त लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन।

क) संखिया ख) अहिफेन ग) कुचला 4. धतूरा 5. भांग
6. भल्लातक 7. जयपाल 8. गुंजा 9. पारद 10. नाग
11. ताम्र 12. अश्वमार 13. मद्य (Alcohol)
14. वत्सनाभ 15. तम्बाकू 16. फासफोरस।

6. जांगम विष–सर्पविष, सर्पो के भेद, सर्पदंश लक्षण एवं विभिन्न चिकित्सा का वर्णन।
7. अलर्क विष के लक्षण, साध्यसाध्यता एवं चिकित्सा।
8. गर विष एवं दूषी विष की परिभाषा, निदान एवं चिकित्सा।
9. प्राचीन काल में आमयिक विष प्रयोग और उसके प्रतिकार। जल, जलाशय भूमि, अन्न तृण, वायुमण्डल में विष प्रयोग एवं प्रतिकार।
10. शोरकाम्ल, गन्धकाम्ल एवं लवणाम्ल का परिचय, मारक मात्रा लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन।
11. आहार विष लक्षण, विरूद्ध द्रव्यों का सेवन तथा विषमिश्रित अन्न के लक्षण।

प्रायौगिक (Practical)

म्यूजियम में विभिन्न विषों का ज्ञान एवं दर्शन

प्रायोगिक कापी का निर्माण एवं संग्रह चार्ट निर्माण।

उपवैद्य कोर्स

निदान चिकित्सा

(द्वितीय वर्ष)

Marks = 90+10
Practical= 45+5

1. व्याधि परिभाषा, व्याधि ज्ञान के उपाय (निदान पंचक)
2. रोगी–रोग परीक्षा (अष्ट विधि परीक्षा)
3. दोष दूष्य सम्मूर्च्छना
4. दोष धातु मल क्षय वृद्धि लक्षण
5. ज्वर, पाण्डु, कामला, श्वास, राजयक्ष्मा, हृद्रोग, ग्रहणी, अतिसार, प्रमेह, उदररोग, आमवात, संधिगत वात, हिक्का वातरक्त, अपस्मार, पक्षाघात, कुष्ठ, रक्तपित्त, प्रवाहिका, मूर्च्छा आदि व्याधियों का सामान्य ज्ञान
6. पंचकर्म के प्रयोज्य कर्मों का संक्षिप्त परिचय, प्रयोजन एवं विधियों का सामान्य ज्ञान–स्नेहन एवं स्वेदन विधियों का सामान्य ज्ञान।

क्रियात्मक विकृति विज्ञान (Practical)

1. रक्त का सामान्य परीक्षण
2. मूत्र का सामान्य परीक्षण
3. मल का सामान्य परीक्षण
4. सामान्य रोगी परीक्षा
5. रक्तचाप परीक्षण
6. पञ्चकर्म की विधियों का परिचय

उपवैद्य कोर्स हेतु विषय - रस शास्त्र पाठयक्रम (द्वितीय वर्ष)

D-Pharmacy in Ayurveda Course (Second Year)

Lectures (Theory) -100 **Marks (Theory)-100 (90+10)**

1. रस शब्द निरुक्ति। ग्राहय पारद के लक्षण। पारद का सामान्य शोधन। पारद मूर्च्छना का उदाहरण सहित ज्ञान।
2. परिभाषा प्रकरण :–
   शोधन, मारण, भस्म परिक्षा यथा रेखापूर्णता, वारितर, अपुनर्भव, निरुत्थिकरण। अभ्रक भस्म परीक्षा, ताम्र भस्म परीक्षा, कज्जली, भावना, पंचगव्य, पंचामृत, द्रावकगण, लवणपंचक।
3. यन्त्र, मूषा, पुट, कोष्ठी की परिभाषा/होलायन्त्र, डमरुयन्त्र, पालिकायन्त्र सामान्य मूषा चुल्लिका, अंगार कोष्ठी, गजपुट, गोमयपुट, बालुकापुट, भूधरपुट।
4. महारस संख्या, नाम, सामान्य ज्ञान, शोधनमारण विधि का सामान्य परिचय, मात्रा एवं दो योग नाम।
5. उपरस संख्या, नाम, सामान्य ज्ञान, शोधनमारण विधि का सामान्य परिचय, मात्रा एवं दो योग नाम।
6. साधारणरस संख्या, नाम, सामान्य ज्ञान, शोधनमारण विधि का सामान्य परिचय, मात्रा एवं दो योग नाम।
7. धातुओं की संख्या, नाम, सामान्य ज्ञान, शोधनमारण विधि का सामान्य परिचय, मात्रा एवं दो योग नाम।
8. कुचला, वत्सनाभ, मिलावा, जैपाल का सामान्य ज्ञान, शोधन विधि एवं मात्रा।
9. रत्नों के नाम, सामान्य शोधन, पिष्टी निर्माण विधि एवं मात्रा।
10. निम्नयोगों की निर्माण विधि, सामान्य गुण तथा मात्रा।

1.	सितोपलादि चूर्ण	11. रस पर्पटी	21. मदनानन्द मोदक
2.	हिंग्वाष्टक चूर्ण	12. नारिकेल लवण	22. ब्राह्मी शर्वत
3.	कैशोर गुग्गुल	13. अपामार्ग क्षार	23. रस सिन्दूर
4.	जात्यादि तैल	14. रसोन क्षीर पाक	24. मुग्धरस
5.	त्रिफला घृत	15. गन्धकाद्य मलहर	25. गोदन्ती भस्म
6.	च्यवनप्राश	16. दशमूलारिष्ट	26. शंख भस्म

7.	अवलेह	17.	द्राक्षासव	27.	शुक्ति भस्म
8.	हरिद्रा खण्ड	18.	कुमार्यासव	28.	तुवरी भस्म
9.	सप्तामृत लौह	19.	त्रिभुवनकीर्ति रस	29.	टंकण भस्म
10.	संजीवनी वटी	20.	कुटजघन वटी		

प्रत्यक्ष कर्माभ्यास (Pratical Paper) पाठयक्रम

Lectures (Practical) -50 **Marks (Practical)-50 (45+5)**

1. रस, उपरस, महारस, साधारण रस, धातु, उपधातु, रत्न एवं उपरत्न तथा विष, उपविष के द्रव्यों की पहचान।
2. यन्त्र, मूषा, पुट आदि का प्रत्यक्ष ज्ञान।
3. निम्न योगों का प्रत्यक्ष कर्माभ्यास द्वारा ज्ञान प्राप्त करना।

1.	सितोपलादि चूर्ण	10.	कज्जली निर्माण	19.	गन्धकाद्य मलहर
2.	कैशोर गुग्गुल	11.	रस पर्पटी	20.	ब्राह्मी शर्वत
3.	जात्यादि तैल	12.	हरताल शोधन	21.	मुग्धरस
4.	च्यवनप्राश	13.	रस माणिक्य	22.	गोदन्ती भस्म
5.	अवलेह	14.	कांजी निर्माण	23.	शंख भस्म
6.	हरिद्रा खण्ड	15.	नारिकेल लवण	24.	शुक्ति भस्म
7.	संजीवनी वटी	16.	अपामार्ग क्षार	25.	तुवरी भस्म
8.	पारद शोधन	17.	रसोन क्षीर पाक	26.	टंकण भस्म
9.	गन्धकशोधन	18.	सिक्थ तैल		

4. प्रत्यक्ष कर्माभ्यास के अन्तर्गत किये गये सभी कार्यों को एक प्रैक्टिकल नोट बुक में लिखना एवं उनका सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक हैं।

उपवैद्य कोर्स हेतु विषय - रोगी परिचर्या पाठयक्रम (द्वितीय वर्ष)
कुल अंक (थ्योरी) 90+10 =100

Pratical 50 (45+05)
Lectures (Theory)-100
(Practical)-50

भाग (क)

1. विभिन्न प्रकार के पट बंधनों के प्रकार, उनकी उपयोगिता।
2. Routè of administration of medicine.
3. प्राथमिक उपचार (First Aid) वर्णन।
4. कृत्रिम श्वास–प्रश्वास प्रक्रिया का वर्णन (Artificial Respiration)
5. रक्तमोक्षण प्रकार एवं चिकित्सा में उपयोग
6. विभिन्न यंत्रों एवं शस्त्रों का ज्ञान, उनके प्रकार एवं उपयोगिता।
7. विशुद्धिकरण (Sterilization) की प्रक्रिया एवं प्रकार और उपयोगिता का वर्णन।
8. परिवार कल्याण (Family Welfare Programme) का सामान्य परिचय
9. विभिन्न स्वास्थ्य संगठनों W.H.O, UNICEF, Indian Red Cross Society etc. की जानकारी।
10. अस्थि भग्न एवं उसकी चिकित्सा का सामान्य ज्ञान।
11. व्रणों का सामान्य ज्ञान।

भाग (ख)

उपवैद्य कोर्स हेतु विषय - रोगी परिचर्या

1. शिरो रोग– शिर का महत्व, शिरो रोग संख्या, लक्ष्ण और चिकित्सा।
2. कर्ण रोग– कर्ण शरीर ज्ञान, कर्ण परीक्षा, कर्ण रोग संख्या, सामान्य लक्षण एवं चिकित्सा।
3. नासा रोग– नासा शरीर ज्ञान, नासा परीक्षा रोग संख्या, सामान्य लक्षण एवं चिकित्सा।
4. मुख रोग– आयुर्वेदमतानुसार मुखावयव ज्ञान, मुख रोग संख्या, सामान्य लक्षण एवं चिकित्सा।
5. दंत और दंतमूलगत रोग एवं सामान्य चिकित्सा।
6. सर्व मुख रोग– सामान्य ज्ञान एवं चिकित्सा।

7. शालाक तंत्र निरुक्ति परिचय और इतिहास।
8. नेत्र रोगों का सामान्य ज्ञान लक्षण एवं चिकित्सा।
9. क्रियाकल्प– आश्च्योतन, पुटपाक तर्पण, अजन, स्वेदन, पिण्डी, कवल गण्डूष, धूम रक्तमोक्षणादि का ज्ञान।

प्रयोगिक (Pratical Paper) Marks (45+5) 50

1. विभिन्न यंत्र, शस्त्रों का ज्ञान, सूचिका भरण, पट्ट बंधन ज्ञान आदि।
2. प्रैक्टीकल नोट बुक कापी निर्माण एवं चार्ट निर्माण।